 Roll No. .....

S.C.No.—19103205A

M. A. EXAMINATION, 2023

(Second Semester)

(2019/2020/2021/2022)

(Main/Re-appear Improvement)

HINDI

19HND-205(i)

लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ

Time 3 *Hours* *Maximum Marks* 80

नोट : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **8×2=16**

(i) भारत में लोक साहित्य की परम्परा कितनी प्राचीन मानी जा सकती है ?

(ii) लोक साहित्य क्या है ?

(iii) लोक साहित्य संरक्षण के दो उपाय बताइए ।

(iv) हरियाणा की किन्हीं दो लोक कथाओं के नाम लिखिए ।

(v) राजस्थान की दो प्रसिद्ध लोक कथाओं के नाम लिखिए ।

(vi) किसी भी भाषा के विकास का मूल आधार किसे माना जाता है ?

(vii) हरियाणा साहित्य शोध संस्थान कहाँ है ?

(viii) लोक कथा से क्या अभिप्राय है ?

2. लोक साहित्य के स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । 16

अथवा

लोक संस्कृति की विशेषताएँ बताइए ।

3. लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । 16

अथवा

लोक साहित्य के संकलन संबंधी चुनौतियों का वर्णन कीजिए ।

4. राजस्थानी एवं हरियाणवी लोक साहित्य का अध्ययन तुलनात्मक दृष्टि से कीजिए । 16

अथवा

(क) के कसर सै मेरी कमला मैं, पढ़ी-लिखी, सब क्याएँ मैं गुणवान, बस युहे खोट सै अक् उसका रंग सांवला सै, मन्नै तो लेण-देण की नी पूरी घूट कर दी, पूरा एक लाख नकद अर ब्याह का सारा खर्चा अलग । होर के मांगै सैं लोग मन्नै युहे बेरा नी पाट्या ।

(ख) प्रभु मीरा बाई थारे प्रेम मैं आनन्द ।

हे ! गोविन्द श्री गोविन्द आनन्द नन्द हे गोविन्द ।।

वृन्दावन मैं धेनु चरैया, काली देह मैं नाग नचैया ।

प्रभु वंशी के बजैया कन्हैया, थारी चाल मन्द-मन्द ।।

थारे गुण गावैं ध्यावैं ऋषि मुनि, जिनकी थारे चरणन मैं धुनि ।

तुमने द्रौपदी की टेर सुणी काट दिए सब फन्द ।।

हरियाणवी के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। **16**

अथवा

हरियाणवी उपबोलियों का परिचय दीजिए ।